बंदर की पूँछ

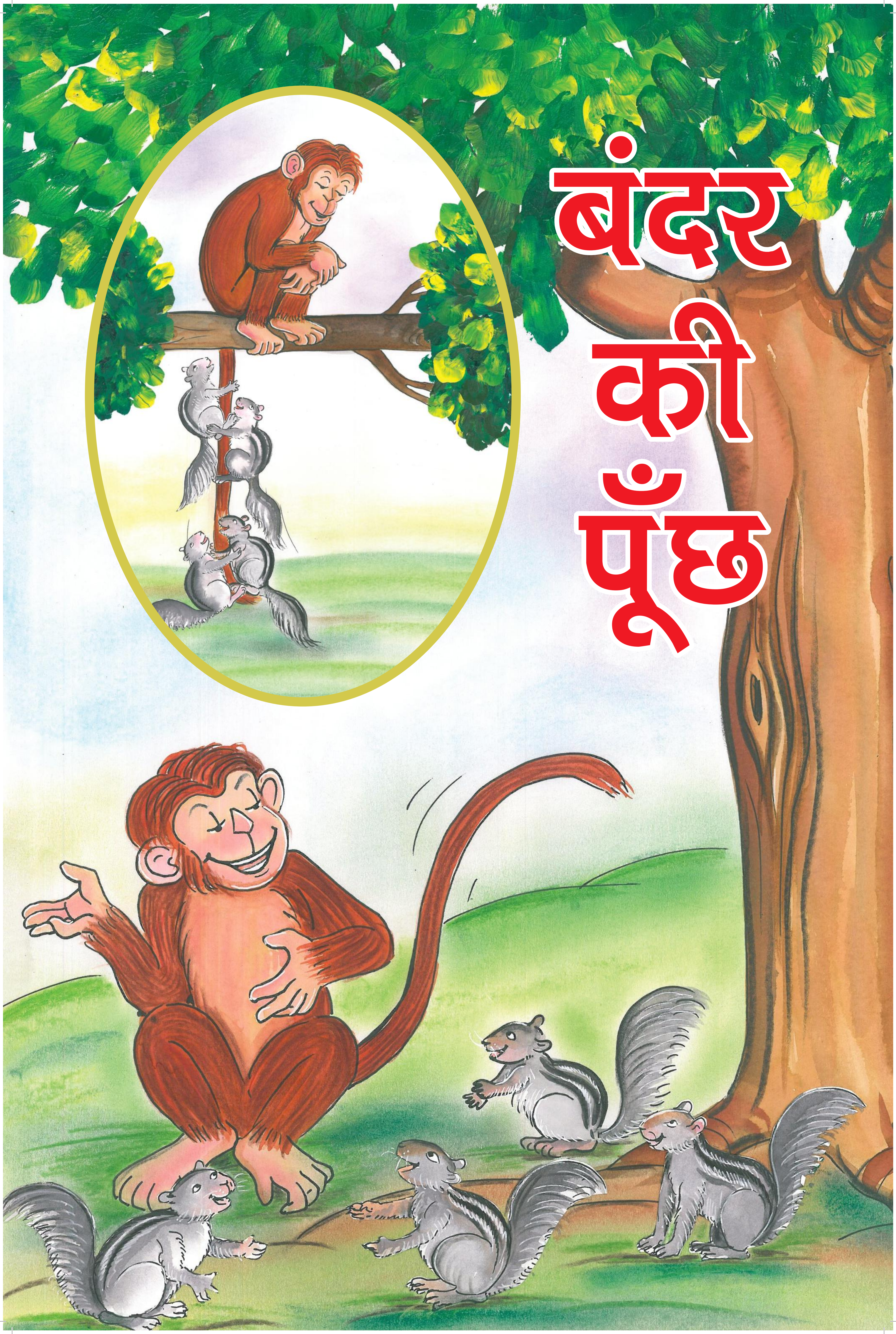

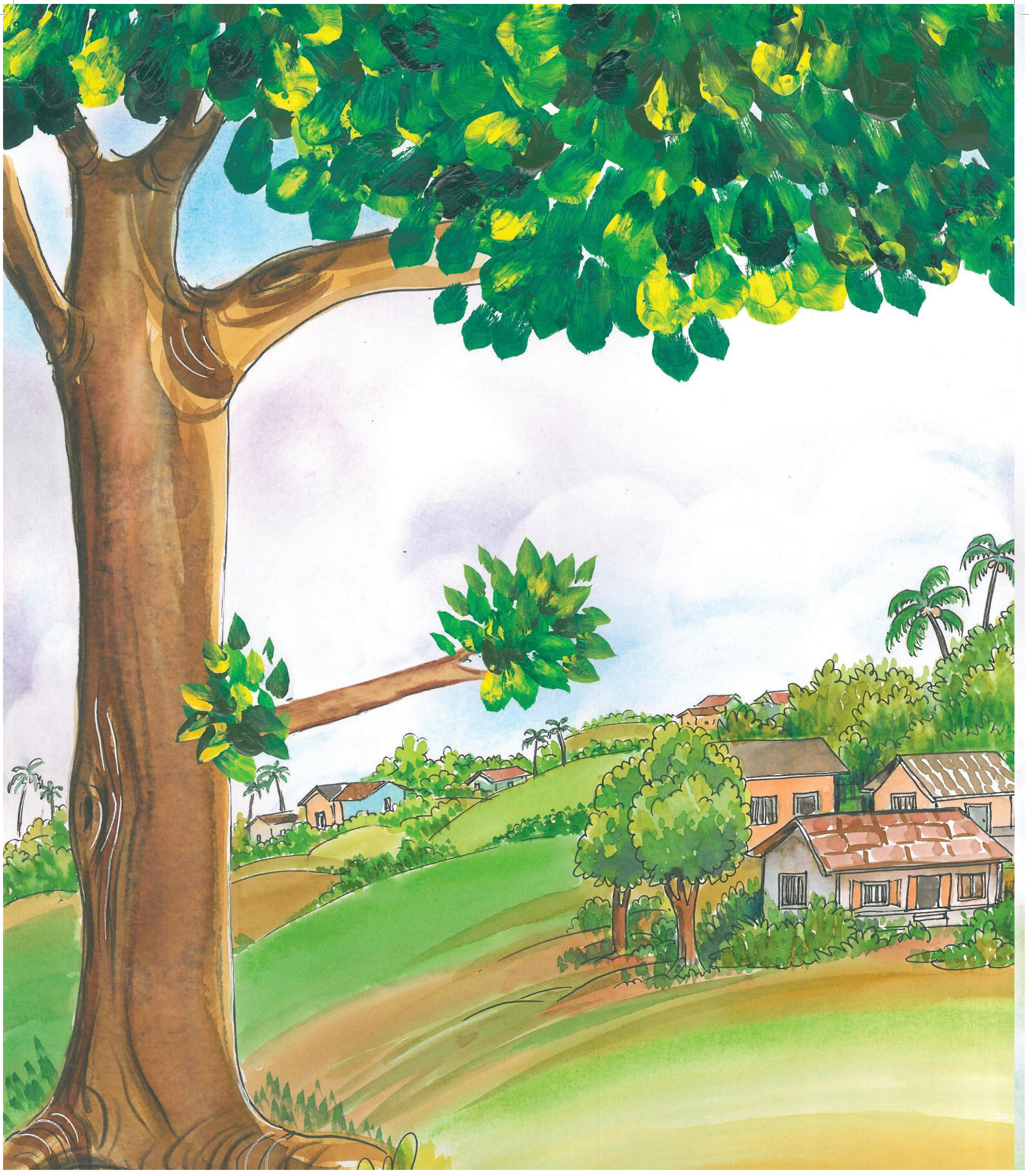

गाँव के पास एक जंगल था।
जंगल में एक बड़ा पेड़ था।

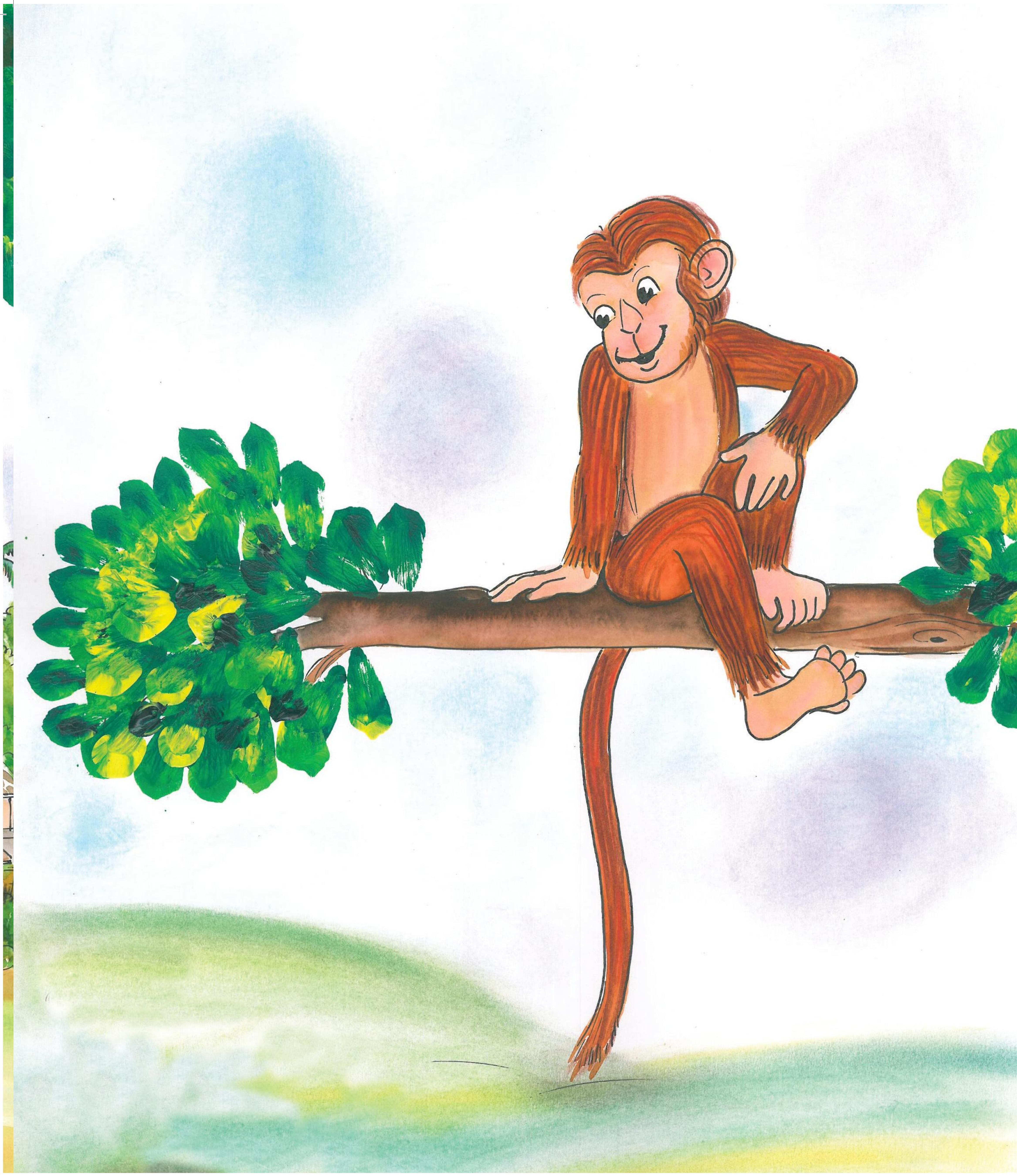

एक बंदर उस पेड़ पर बैठा था। उसकी पूँछ ज़मीन को छू रही थी।

पेड़ के नीचे एक गिलहरी
खेल रही थी।

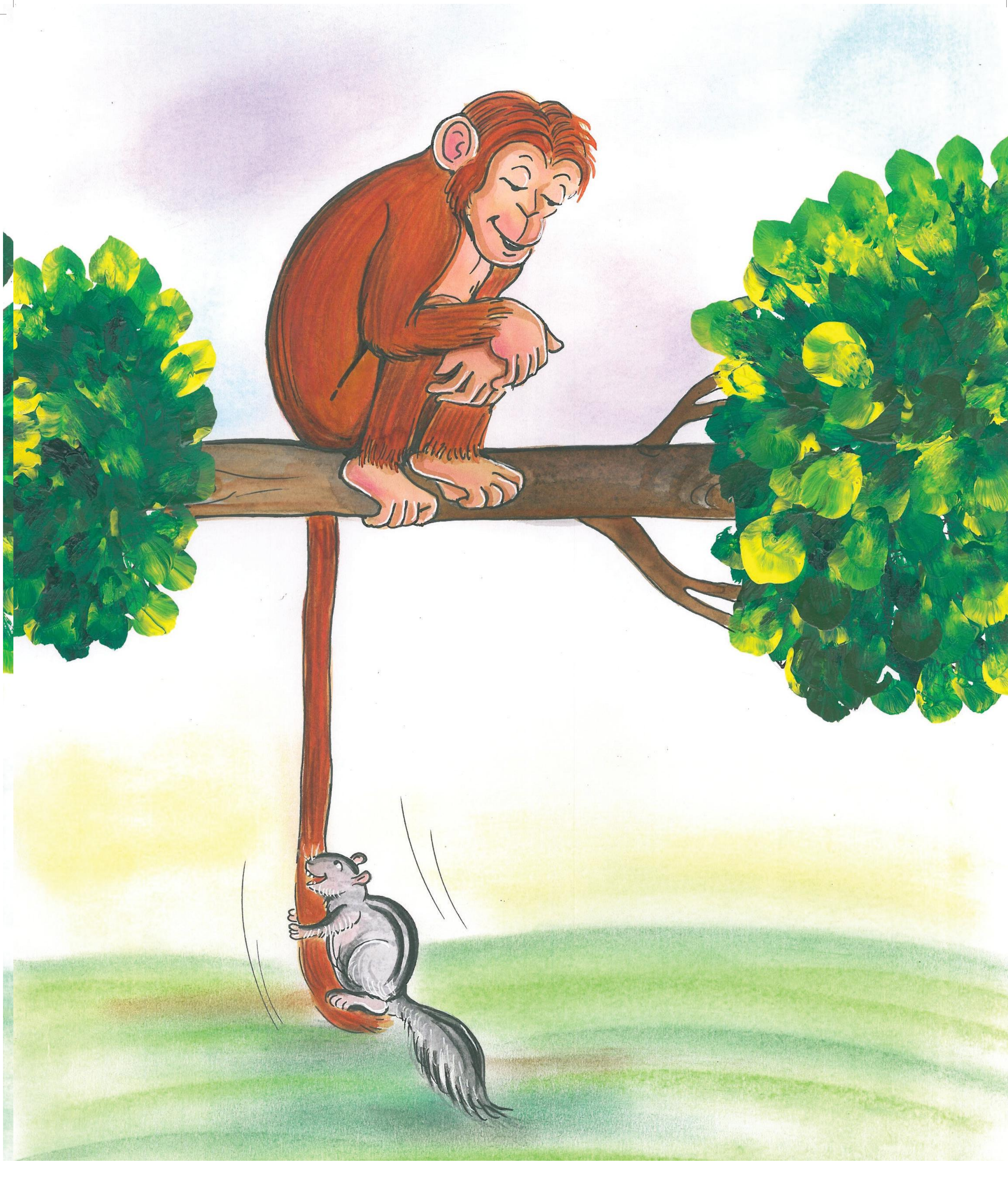

गिलहरी पूँछ पर झूला
झूलने लगी।

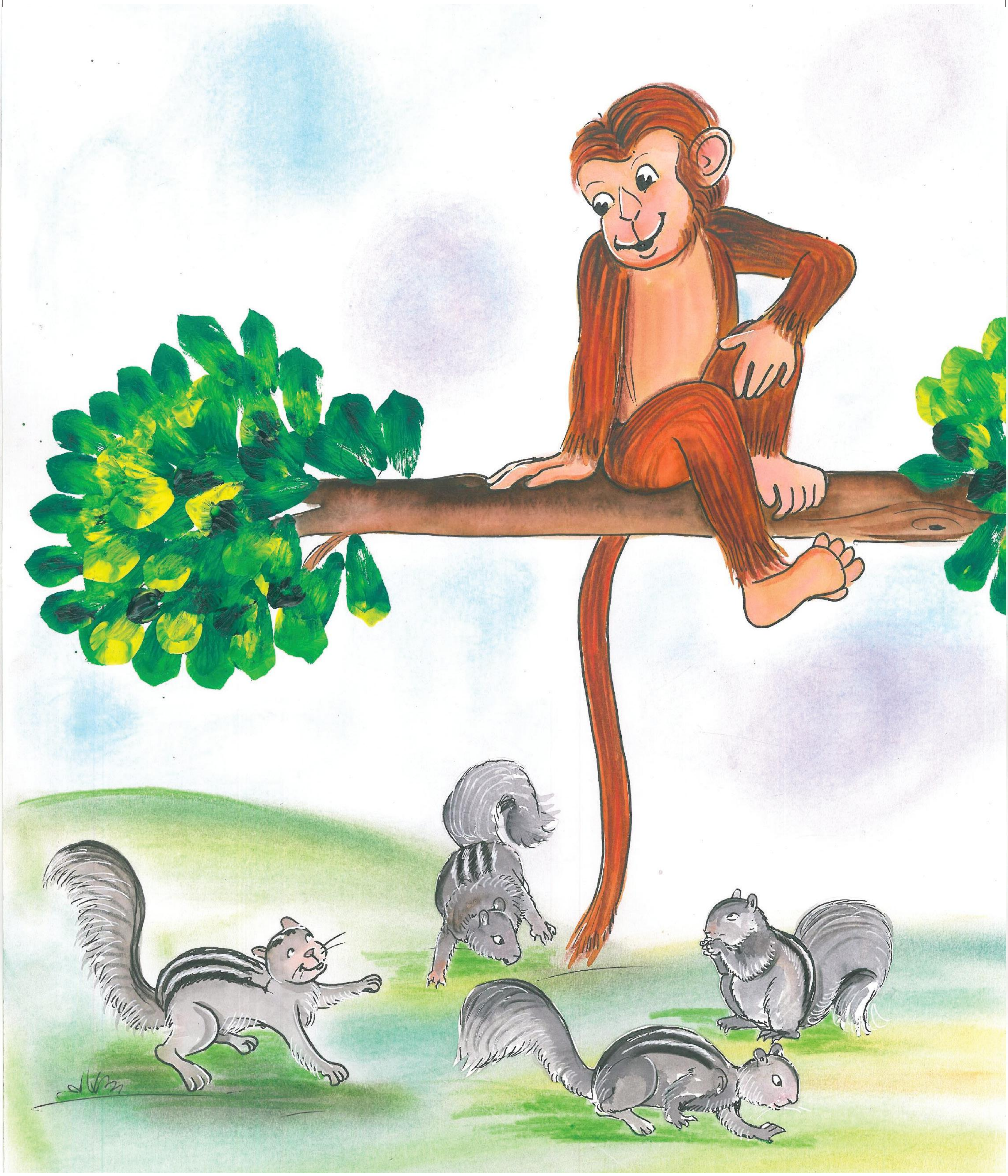

उसने अपनी गिलहरी दोस्तों को भी बुला लिया।

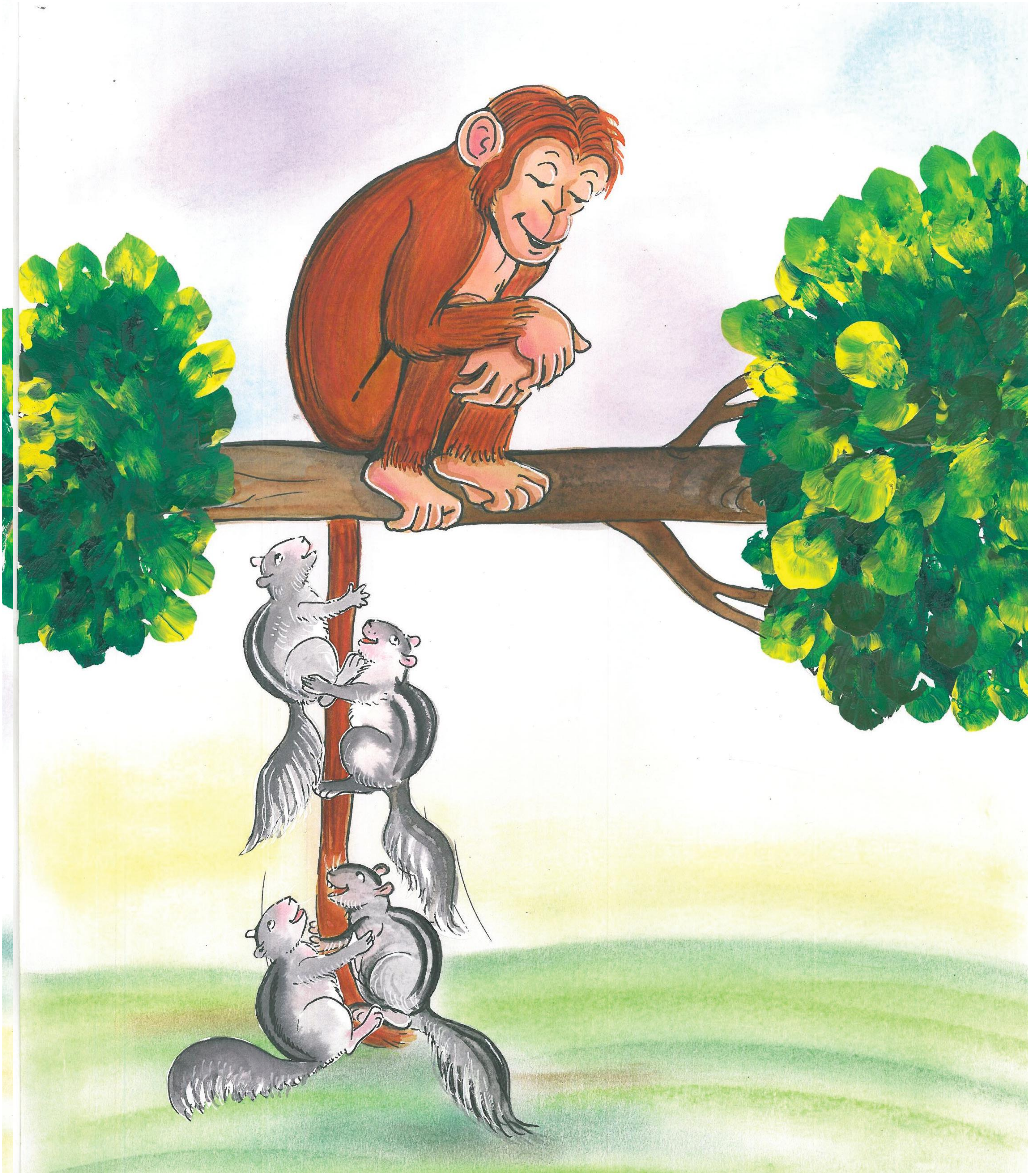

सभी गिलहरियाँ बंदर की पूँछ पर झूला झूलने लगीं।

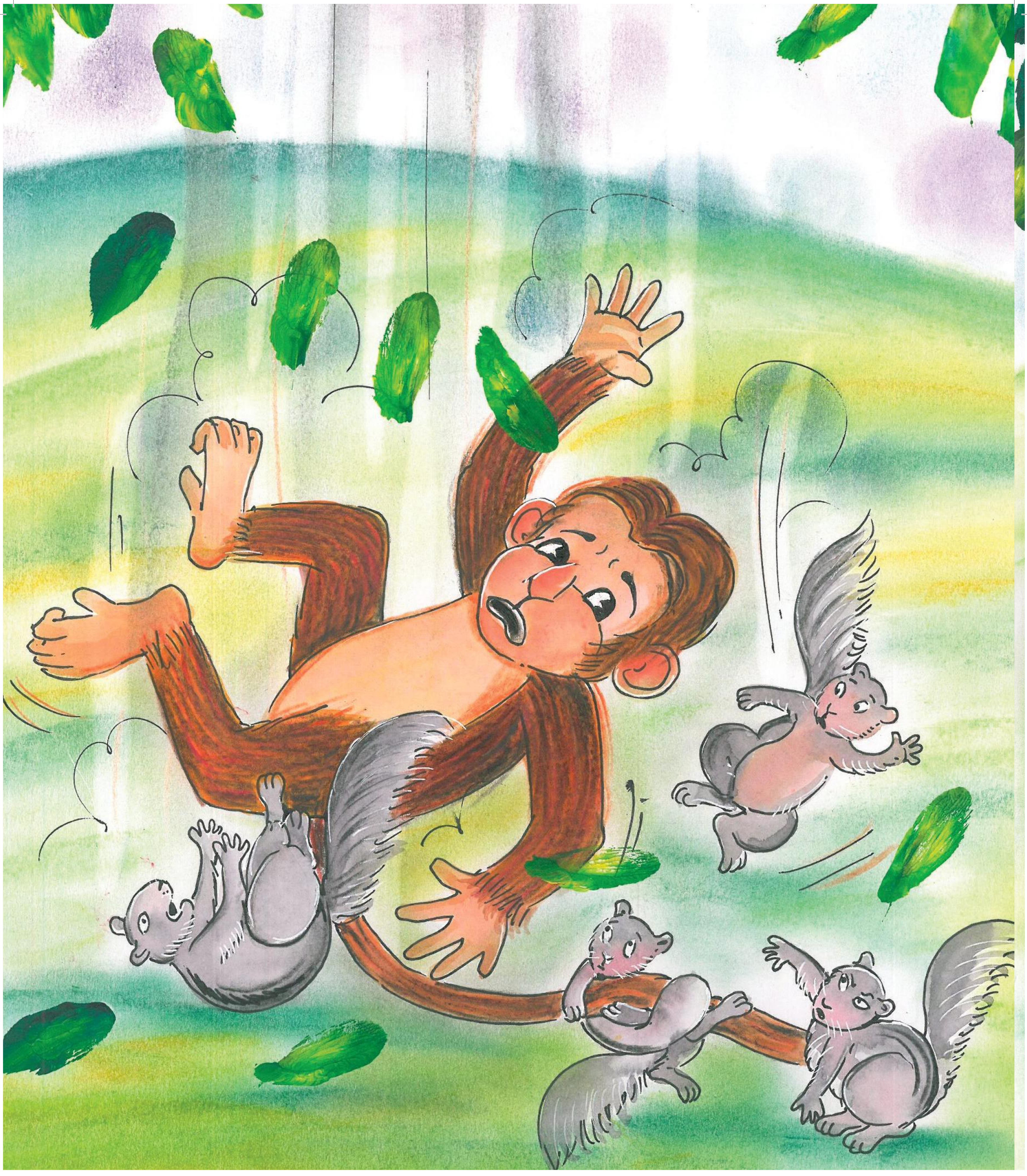

गिलहरियों के भार से बंदर पेड़ से गिर पड़ा।

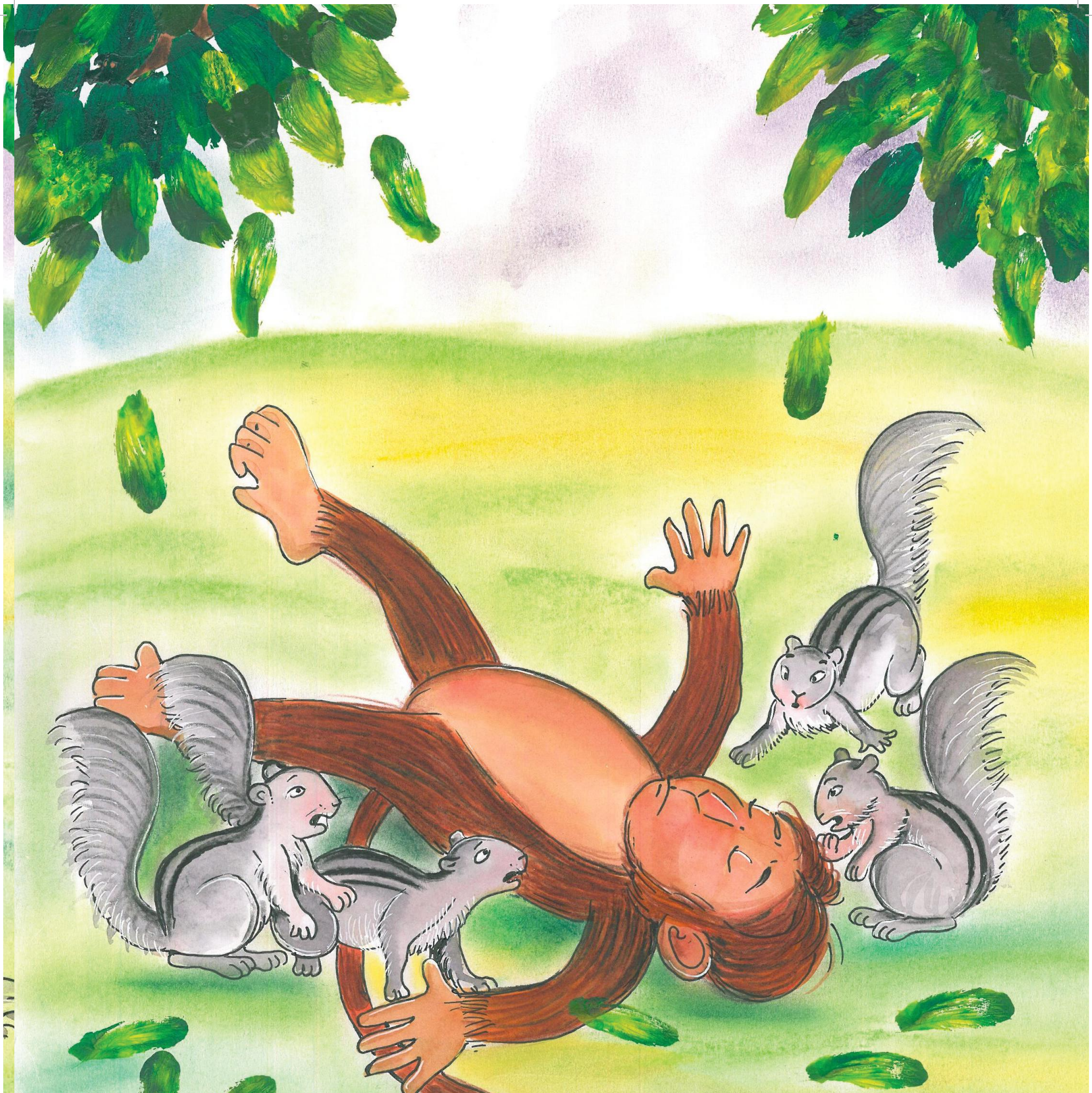

सब गिलहरियाँ डर गईं।

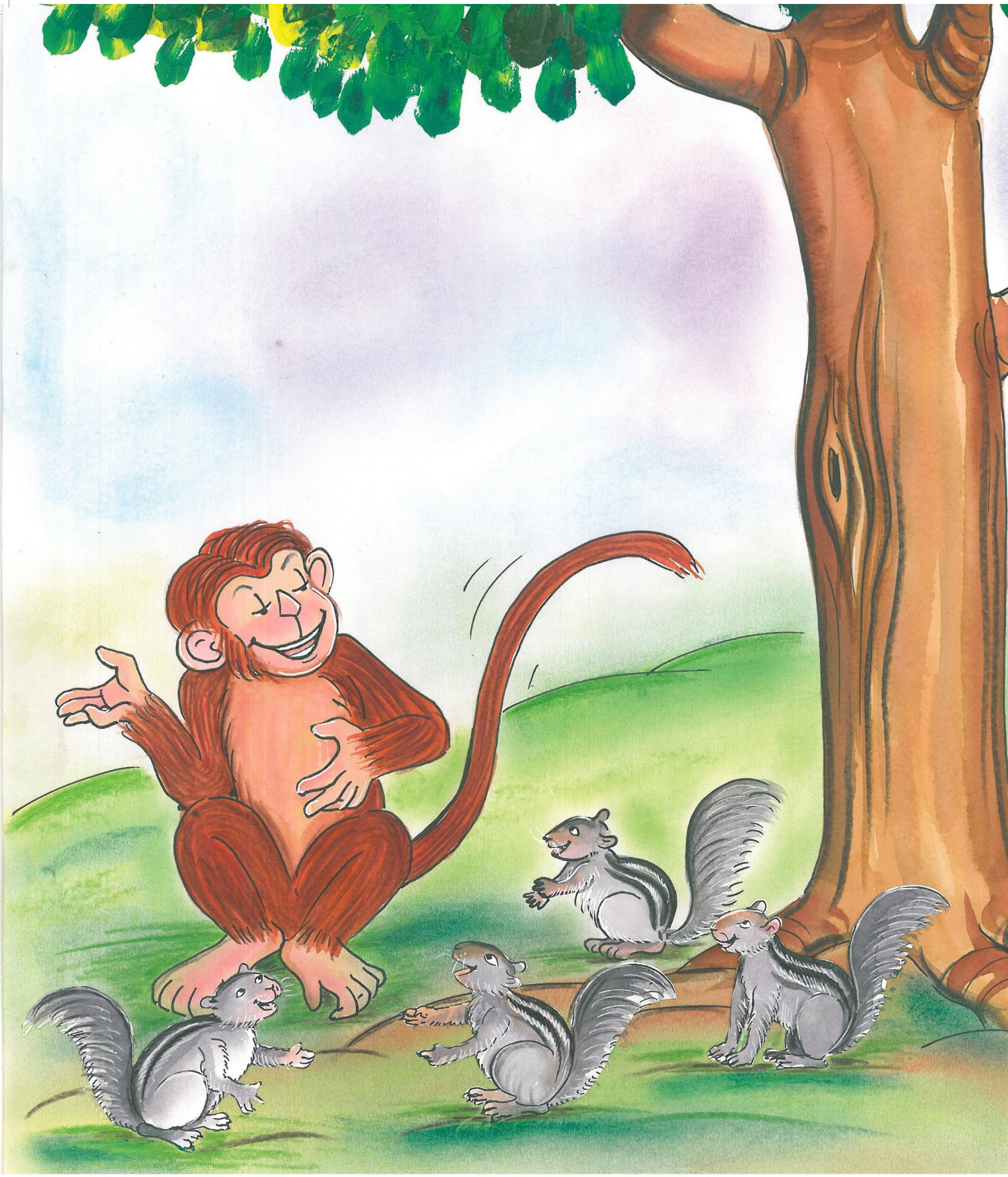

बंदर ने गिलहरियों को देखा।
और वह ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगा।

बंदर की पूँछ

गाँव के पास एक जंगल था। जंगल में एक बड़ा पेड़ था। एक बंदर उस पेड़ पर बैठा था। उसकी पूँछ ज़मीन को छू रही थी। पेड़ के नीचे एक गिलहरी खेल रही थी। गिलहरी पूँछ पर झूला झूलने लगी। उसने अपनी गिलहरी दोस्तों को भी बुला लिया। सभी गिलहरियाँ बंदर की पूँछ पर झूला झूलने लगीं। गिलहरियों के भार से बंदर पेड़ से गिर पड़ा। सब गिलहरियाँ डर गईं। बंदर ने गिलहरियों को देखा। और वह ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगा।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP